हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 8 अगस्त 2025

11 सीवर और सेप्टिक टैंकों के दौरान खतरों पर...

12 15 करोड़ की लागत से होगा शहर में 5 साल के लिए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन

निजी अस्पताल पर सीएम फ्लाइंग ने औचक छापेमारी करके दस्तावेज खंगाले, मरीजों पर इस्तेमाल दवाइयों का किया निरीक्षण

■ अस्पताल संचालक डॉक्टर ने प्रस्तुत किया आयुर्वेदिक डिप्लोमा जिससे अंग्रेजी दवाइयों से उपचार करने की नहीं अनुमति, कार्रवाई में जुटी टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सीएम फ्लाइंग ने नांगल चौधरी की एक निजी अस्पताल पर औचक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान संचालक चिकित्सक ने आयुर्वेदिक डिप्लोमा प्रस्तुत किया। जिससे अंग्रेजी दवाइयों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं। निरीक्षण के दौरान एडमिट मरीजों का अंग्रेजी दवाइयों से इलाज होता हुआ मिला। टीम ने विभिन्न दस्तावेज कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई आरंभ कर दी है।

जानकारी के मुताबिक बीते आठ से 10 महीनों से नांगल चौधरी में कई निजी अस्पतालों में मापदंड पूरे नहीं होने की शिकायत विभाग को मिल रही थी। कुछ अस्पतालों में आयुर्वेद चिकित्सकों की ओर से अंग्रेजी दवाइयों से इलाज करने की कंप्लेंट सामने आई। जिन पर संज्ञान लेते हुए सीएम फ्लाइंग ने औचक छापेमार टीम का गठन किया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी को टीम में शामिल करके सुबह करीब 11 बजे अस्थाई बस स्टैंड के पास एक निजी अस्पताल पर दाबिश दी। इस दौरान अस्पताल में कई मरीजों पर ग्लूकोज ड्रिप लगी हुई, मिली कुछ अंग्रेजी दवाई खरीदते हुए मिले। टीम ने तत्परता पूर्वक मरीजों पर इस्तेमाल हो रही दवाइयों को कब्जे में लिया तथा उनका नाम व पता दर्ज किया। साथ ही मेडिकल पर दवाई खरीद रहे मरीजों की पर्ची जांची तो पाया कि उक्त पर्ची निजी अस्पताल के चिकित्सक की ओर से लिखी गई हैं।

टीम ने विशेषज्ञ की मदद से दवाइयों का स्टॉक चेक किया तथा प्रतिबंधित सूची के अनुसार रिकार्ड को खंगाला गया। छापेमारी की सूचना मिलते ही अधिकांश निजी अस्पतालों में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई। कुछ अस्पताल संचालक अन्य वैध डिप्लोमा धारक चिकित्सक से संपर्क करते देखे गए, तो कहीं मापदंडों के लिए भागदौड़ देखी गई। एसबीआइ बैंक के पास एक अस्पताल का चिकित्सक ने ओपीडी बंद कर दी तथा सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई खत्म होने का इंतजार करता रहा है। दूसरी तरफ गांवों में क्लीनिक खोलकर बैठे झोलाछाप डॉक्टरों में भी अफरा तफरी का महौल बना रहा।

सीएम फ्लाइंग ने नांगल चौधरी की एक निजी अस्पताल पर औचक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान संचालक चिकित्सक ने आयुर्वेदिक डिप्लोमा प्रस्तुत किया। जिससे अंग्रेजी दवाइयों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं। निरीक्षण के दौरान एडमिट मरीजों का अंग्रेजी दवाइयों से इलाज होता हुआ मिला। टीम ने विभिन्न दस्तावेज कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई आरंभ कर दी है।

जानकारी के मुताबिक बीते आठ से 10 महीनों से नांगल चौधरी में कई निजी अस्पतालों में मापदंड पूरे नहीं होने की शिकायत विभाग को मिल रही थी। कुछ अस्पतालों में आयुर्वेद चिकित्सकों की ओर से अंग्रेजी दवाइयों से इलाज करने की कंप्लेंट सामने आई। जिन पर संज्ञान लेते हुए सीएम फ्लाइंग ने औचक छापेमार टीम का गठन किया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी को टीम में शामिल करके सुबह करीब 11 बजे अस्थाई बस स्टैंड के पास एक निजी अस्पताल पर दाबिश दी। इस दौरान अस्पताल में कई मरीजों पर ग्लूकोज ड्रिप लगी हुई, मिली कुछ अंग्रेजी दवाई खरीदते हुए मिले। टीम ने तत्परता पूर्वक मरीजों पर इस्तेमाल हो रही दवाइयों को कब्जे में लिया तथा उनका नाम व पता दर्ज किया। साथ ही मेडिकल पर दवाई खरीद रहे मरीजों की पर्ची जांची तो पाया कि उक्त पर्ची निजी अस्पताल के चिकित्सक की ओर से लिखी गई हैं। टीम ने विशेषज्ञ की मदद से दवाइयों का स्टॉक चेक किया तथा प्रतिबंधित सूची के अनुसार रिकार्ड को खंगाला गया। छापेमारी की सूचना मिलते ही अधिकांश निजी अस्पतालों में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई। कुछ अस्पताल संचालक अन्य वैध डिप्लोमा धारक चिकित्सक से संपर्क करते देखे गए, तो कहीं मापदंडों के लिए भागदौड़ देखी गई। एसबीआइ बैंक के पास एक अस्पताल का चिकित्सक ने ओपीडी बंद कर दी तथा सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई खत्म होने का इंतजार करता रहा है। दूसरी तरफ गांवों में क्लीनिक खोलकर बैठे झोलाछाप डॉक्टरों में भी अफरा तफरी का महौल बना रहा।

नांगल चौधरी। निजी अस्पताल में छापेमारी करके चिकित्सक से पूछताछ करती सीएम फ्लाइंग। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी। अस्पताल के मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करते अधिकारी।

डीएएमएस डिप्लोमाधारक चिकित्सक अंग्रेजी दवाई इस्तेमाल नहीं कर सकता

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी शशिबाला ने बताया कि सीएम फ्लाइंग के साथ निजी अस्पताल पर छापेमारी करके चिकित्सक का डिप्लोमा चेक किया है, जो कि डीएएमएस कटेगरी का मिला है। इस आयुर्वेदिक डिप्लोमा से अंग्रेजी दवाइयां इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होती। यहां डीएएमएस चिकित्सक अंग्रेजी दवाइयां इस्तेमाल करता हुआ मिली है। जिसके खिलाफ कार्रवाई प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जांच के लिए रेवाड़ी भेजेंगे दवाइयों के सैंपल

ड्रग निरीक्षक प्रवेश कुमार ने बताया कि निजी अस्पताल में औचक छोपमारी करके अंग्रेजी दवाइयां कब्जे में ली हैं। जिन्हें रेवाड़ी भेजकर प्रतिबंधित सूची से जांच कराई जाएगी। अस्पताल के विभिन्न मापदंडों को भी सूचीबद्ध किया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

राज्य सरकार ने 20 मई 2020 को जारी गजट नोटिफिकेशन को एक अगस्त से कर दिया लागू

अब सरकारी अस्पताल में इलाज कराना हुआ महंगा, टेस्ट और बेड के लिए देना होगा शुल्क

■ इस अध्यादेश के लागू होने से अब सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में शव रखने पर एक दिन का देना होगा 300 रुपये शुल्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2020 को जारी गजट नोटिफिकेशन को एक अगस्त से सरकारी अस्पतालों में लागू कर दिया है। सरकारी अस्पतालों में अब सभी टेस्ट मुफ्त भी नहीं होंगे, जबकि 75 तरह की लैब जांच के लिए मरीज को 25 से 700 रुपये तक शुल्क देना होगा। इतना ही नहीं, अब मोर्चरी में डैडबॉडी रखने के लिए 300 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से शुल्क अदा करना होगा। यह नई व्यवस्था प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में लागू कर दी गई है और अब नए मरीज इन्हीं शुल्कों के आधार पर भर्ती किए जा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब आम आदमी के लिए सरकारी अस्पताल में इलाज महंगा हो गया है। पहले केवल पांच रुपये पर्ची के लगते थे, लेकिन अब टेस्ट से लेकर बैड तक के लिए शुल्क देना होगा।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार ने गत 20 मई 2020 को हरियाणा गवर्नमेंट गैजेट एक्सट्राओर्डनरी नाम से स्वास्थ्य विभाग का एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तब सरकार ने ये नए शुल्क स्टैंड्राइज्ड एंड रिवाइज्ड हॉस्पिटल फी एवं चार्जिज लागू करने की घोषणा की थी। अब करीब पांच साल दो महीने बाद उक्त अध्यादेश को सरकारी अस्पतालों में लागू कर दिया गया है। इससे सरकारी अस्पतालों में आमलोगों का इलाज लेना महंगा हो गया है। इससे उनकी जेबों पर अतिरिक्त आर्थिक बौझ पड़ेगा। हालांकि इसमें कुछ कैटेगरी को इन शुल्कों से अलग रखा गया है। ऐसा करके सरकार ने गरीब बीपीएल एवं अंत्योदय परिवारों के साथ-साथ कुछ विशेष कैटेगरी के लोगों को राहत देने का कार्य किया है।

नारनौल। नागरिक अस्पताल में इलाज के लिए लगी मरीजों की लाइनें।

अध्यादेश लागू

एडिशनल चीफ सैक्रेट्री टू गवर्नमेंट ऑफ हरियाणा हेल्थ डिपार्टमेंट राजीव अरोड़ा के आदेशानुसार यह आदेश नोटिफिकेशन की तिथि से ही आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। इस अध्यादेश के लागू होने से स्टैंड्राइज्ड एंड रिवाइज्ड हॉस्पिटल फीस एवं चार्जिज लागू हो गए हैं। इस प्रकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब ईलाज बिल्कुल फ्री होने की बजाए लागू को शुल्क अदा करना होगा।

मेडिकल करवाने के शुल्क में बदलाव

प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के पदों के लिए होने वाली भर्ती का मेडिकल बनवाने के लिए 500 रुपये तथा तृतीय श्रेणी पदों की भर्ती के मेडिकल के लिए 200 रुपये शुल्क लगेगा। ग्रुप डी की भर्ती के लिए यही शुल्क 100 रुपये रखा गया है। सेंट्रल गवर्नमेंट की भर्ती के मेडिकल के लिए सभी प्रकार के पदों के लिए 500 रुपये शुल्क अदा करना होगा। ड्राइविंग लाइसेंस, आर्म्स लाइसेंस तथा स्कूल व कॉलेज एडमिशन के दाखिले की मेडिकल फीस 100 रुपये रखी गई है। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति प्राप्त करने के लिए जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन एक्ट के अनुसार शुल्क देय होगा।

लैब में इन टेस्टों की लगेगी फीस

पीटीटी-के	60	सिरम प्रोगेस्ट्रोन	200
एचबी ए1सी	100	सिरम टेस्टोस्ट्रोन	350
सिरम गामा एसजीजीटी	50	सिरम लिपासे	50
सिरम लिथियम	25	सिरम एल्फा-फैटोप्रोटीन एएफपी	250
सिरम फासफोरस	25	सीईए	150
सिरम बी 12 एसे	100	टॉच कांपेलेक्स	250
सिरम ऑयरन	25	एचपीएल फॉर ड्रग मॉनिट्रिंग	250
सिरम फेरिटीन	100	एलई सैल	40
फोलिक एसिड	100	एलडी बॉडिज	20
होमोसिसटेन	700	फंग्स कल्चर	50
विटामिन डी	400	पस/सिमेन/स्टूल सीएसएफ कल्चर	50 प्रति टेस्ट
सिरम टी3	80	यूरिनरी बेंस जोंस प्रोटीन्स	25
सिरम टी4	80	यूरिन क्रीटिनाइन 24 घंटे	25
फ्री टी3	150	यूरिन यूरोबीलिनोजेन क्यू	50
फ्री टी4	150	माइक्रोलबूमिन्यूरिया	250
एंटी टीपीओ एंटीबोडिज	250	बोन मारो विद ऑयरन स्टेन	50
पैराथाइराइड हॉरमोन	500	फ्लूरो इमेज	20
सीपीके	135	ममोग्राफी	100
सीपीके एमबी	160	बोन डैनेस्टि मिजरमेंट डेक्सा स्कैन	300
जी-6-पीडी	40	2 डी इक्कोरडियोग्राफी	200
सिरम एफएसए	100	स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी	250
सिरम एलएल	100	कलर डोपलर	150
सिरम प्रोलाक्टीन	80	एक्ससाइज टीएमटी	250

ब्लड कंपोनेंट्स	एज पर नाको
सीटी/एमआरआई	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
ईएसडब्ल्यूएल लेजर थेरेपी	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
हैमोडायलिसिस	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप
कैथ लैब प्रोसिजर	पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप

इन कैटेगरी को रखा है फ्री: प्रदेश सरकार ने बीपीएल हरियाणा, अंत्योदय अन्न योजना एएवाई स्कीम के लाभपात्रों, प्रसव पूर्व एवं डिलीवर के कुछ दिन बाद की महिलाएं, एक वर्ष तक के शिशु, आरटीए/बेहोश/अज्ञात मरीज, घरेलू हिंसा/यौन हमला जीवित बचे लोगों, कैदी, स्वतंत्रता सेनानी, वृद्धावस्था पेंशनर, विकलांग पेंशनधारी, विधवा पेंशनधारी एवं आयुष्मान कार्डधारी को सरकारी अस्पतालों में जांच एवं उपचार के लिए फ्री घोषित किया गया है। बाकी सभी के ऊपर निर्धारिज चार्ज लगेंगे। इसलिए अस्पताल आने से पहले मरीजों को अब न केवल अपना आधार कार्ड, बल्कि राशन कार्ड व उसकी फोटोकॉपी भी साथ लेकर आना होगा।

वर्ष 2010 में भी लगाया गया था शुल्क

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2010 में भी स्वास्थ्य सेवाओं पर शुल्क लगाया था। उस समय पहली बार ओपीडी कार्ड पर पांच शुल्क रखा गया था। यह अब तक जारी है। लैब जांच के रेट भी तय किए गए थे। इन्हें जनविरोध के बाद सरकार को वापस लेना पड़ा। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मरीजों को सस्ता व सुलभ इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना शुरू की थी। सरकारी अस्पतालों में एक जनवरी 2014 को इसका शुभारंभ किया गया था। इसके तहत मरीजों को पूरा इलाज मुफ्त दिया जाने लगा। लैब टेस्ट ही नहीं, दवाएं भी फ्री दी जा रही थी। इसके अलावा सर्जरी पैकेज व अन्य सुविधाएं भी शामिल थे, लेकिन अब भाजपा सरकार के नए निर्देशों ने मुख्यमंत्री मुफ्त इलाज योजना पर सवालिया निशान लगा दिया है।

ये टेस्ट होंगे फ्री

सरकार ने क्लीनिकल पैथोलॉजी के तहत किए जाने वाले एचबी, टीएलसी, एमपी स्लाइड मैथड, ईएसआर, पीबीएफ, ब्लड ग्रुप एबीओ-आरएच टापिंग, टीईसी, ब्लीडिंग टाइम एवं क्लोटिंग टाइम को फ्री रखा गया है। बॉयो कैमेस्ट्री के टेस्टों में ब्लड शुगर, ब्लड यूरिया, एस क्रीटिंनाइन, एस. यूरिक एसिट, आरएफटी, एस. बिलिरूबिन, एसजीओटी, एसजीपीटी, एस. एल्कालाइन फॉसफेट्स, एस. टोटल प्रोटीन व एलएफटी फ्री रखे गए हैं। सरकार ने सेरोलॉजी के टेस्ट एचआईवी रेपिड टेस्ट, स्पूटम फॉर एएफबी, डेंगू रेपिड टेस्ट, विडाल टेस्ट, एचबी रेपिड टेस्ट को भी फ्री रखा गया है। सरकारी अस्पतालों में यूरिन से संबंधित टेस्ट यूरिन कंपलीट, यूरिन परगनेंसी, यूरिन माइक्रोस्कॉपी को फ्री टेस्ट की श्रेणी में रखा है। स्टूल एनालाइसिस के तहत आने वाले स्टूल फॉर ओवा एंड सिस्ट तथा स्टूल फॉर ओक्यूट ब्लड को फ्री रखा गया है। रेडियोलॉजी के तहत एक्स-रे विदाउट कंट्रास तथा यूएसजी को फ्री रखा गया है।

अब देना होगा 10 रुपये प्रतिदिन बेडचार्ज

नए आदेशों के तहत मरीज को ओपीडी पर्ची के लिए पहले की तरह पांच रुपये देने होंगे। इंडोर एडमिशन के लिए दस रुपये शुल्क रखा गया है। अस्पताल में बिस्तर शुल्क 10 रुपये प्रतिदिन रहेगा, जबकि प्राइवेट रूम के लिए शुल्क 250 रुपये प्रतिदिन देना होगा। इसी प्रकार हॉस्पिटल बैड चार्जिज एचडीयू के 350 रुपये प्रतिदिन एवं आईसीयू के 500 रुपये प्रतिदिन रखे गए हैं। यदि सरकारी अस्पताल से एमएलसी कटवानी है तो उसकी 250 रुपये प्रति एमएलआर फीस रखी गई है। एमएलआर की डुप्लीकेट कॉपी लेने पर भी 250 रुपये शुल्क अदा करना होगा। पोस्टमार्टम एग्जामिशनेशन को सभी कैटेगरी में फ्री रखा गया है, लेकिन डैडबॉडी को मोर्चरी में रखने के लिए 300 रुपये प्रतिदिनि के हिसाब से चार्ज देना होगा। पोस्टमार्टम की डुप्लीकेट कॉपी के लिए 100 रुपये शुल्क अदा करना होगा।

यह बोले सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि सरकार की हिदायत अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने नया अध्यादेश लागू कर दिया गया है। अब कुछ खास वर्ग के लोगों के अलावा आमलोगों को अस्पताल में ईलाज लेने पर कुछ शुल्क अदा करना होगा। यह शुल्क बेहद कम रखे गए हैं, जिन्हें अदा करके मरीज आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकते

सतनाली मंडी। मौके पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस। *फोटो : हरिभूमि*

जमीन पर कब्जा कार्रवाई के दौरान युवक ने लगाई आग, पीजीआई रेफर

सतनाली मंडी। खंड के गांव बासड़ी में पंचायती जमीन से अवैध कब्जा हटवाने गई पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम के सामने संदिग्ध परिस्थिति में युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। खंड के गांव बासड़ी में वीरवार को पंचायती जमीन से अवैध कब्जा हटवाने के लिए ड्युटी मजिस्ट्रेट बीडीपीओ सतनाली के नेतृत्व में पंचायत अधिकारी, ग्राम सचिव, गिरदावर, पटवारी, सरपंच व पुलिस की टीम की ओर से कब्जा कार्रवाई जारी थी कि इसी दौरान उनके सामने ही युवक ने संदिग्ध परिस्थिति में आत्मदाह का प्रयास किया, जिसके बाद अफरा तफरी मच गई। इस दौरान मौजूद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया और संजय को झुलसी हालत में पुलिस वाहन से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतनाली पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए डाक्टरों ने उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। घटना की सोशल मीडिया पर घटना की वीडियो भी वारयल हो रही है। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कब्जा कार्रवाई की जा रही है। जहां दूसरी ओर एक युवक जलती हुई अवस्था में चीखता हुआ पुलिस व अधिकारियों की टीम की ओर आता हुआ दिखाई दे रहा है। सरपंच प्रमोद बासड़ी ने बताया कि गांव की लगभग आठ एकड़ पंचायत भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी।

डीइओ को यूनिट कैंसिल का भेजा पत्र, 60 वर्ष से जारी यूनिट के टूटने का खतरा

नांगल चौधरी स्कूल के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा एनसीसी प्रशिक्षण, प्राचार्य ने पंजीकरण कराने की नहीं दी अनुमति

■ एनसीसी कमांडेंट ने प्राचार्य को चार बार पत्र भेजकर मांगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कई सालों से एनसीसी संचालित है, लेकिन अब विभागीय कमांडेंट ने यूनिट स्वीकृति को कैंसिल करने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिख दिया। उन्होंने स्कूल के प्राचार्य बस्तीराम पर रूखापन व्यवहार तथा अभद्र बर्ताव करने के आरोप लगाए हैं। परेशान विद्यार्थियों ने अभिभावकों की मार्फत उच्चाधिकारियों को शिकायत दर्ज करवा दी। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने मामले की जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आपको बता दें कि नांगल चौधरी ब्लॉक के युवाओं का आर्मी, पुलिस में भर्ती होने की जुनून है। उनकी सुविधा के लिए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में करीब 60 साल पहले एनसीसी यूनिट संचालन की स्वीकृति दी गई थी। विभाग का तर्क है कि एनसीसी सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने पर युवाओं को आर्मी भर्ती में बोनस अंक मिलेंगे, जिससे मेरिट सूची में स्थान बनाने में मदद मिलेगी। छह दशक में हजारों युवाओं को एनसीसी प्रशिक्षण का लाभ लिया है, लेकिन अब प्राचार्य ने आठवीं, नौवीं व 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों को एनसीसी में पंजीकरण कराने की अनुमति नहीं दी। इसके लिए कमांडेंट ने प्राचार्य को एनरोलमेंट देने के लिए चार बार पत्र लिखा। इसके बावजूद प्राचार्य ने सहमति नहीं जताई। इसके बाद कमांडेंट ने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर स्कूल में संचालित एनसीसी यूनिट को तोड़ने की सूचना दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल के अधिकांश बच्चे एनसीसी लेना चाहते हैं, लेकिन प्राचार्य की ओर से नाम काटने की चेतावनी देकर डरा दिया जाता है। निर्धारित संख्या पूरी होने पर ही यूनिट का संचालन संभव हो पाएगा। तर्क दिया कि एनसीसी का बजट रक्षा मंत्रालय से रिलीज होता है, जिसे खर्च करना अनिवार्य है। स्कूल प्रशासन यूनिट को कैडेट उपलब्ध नहीं कराया गया।

एनसीसी यूनिट संचालन का इच्छुक नहीं प्राचार्य

एनसीसी कमांडेंट ने डीइओ को भेजे पत्र में बताया कि एनसीसी में आठवीं, नौवीं व 10वीं कक्षा के विद्यार्थी भर्ती किए जा सकते हैं, लेकिन प्राचार्य ने इन कक्षाओं को एनसीसी देने से साफ इंकार कर दिया। इसके लिए प्राचार्य को चार बार पत्र भेजे गए, लेकिन उन्होंने कोई रूचि नही दिखाई। उल्टा एनसीसी अधिकारियों के साथ अभद्र बर्ताव किया गया तथा मूवमेंट रजिस्टर में हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिए। ऐसे में स्कूल में यूनिट बनाए रखना संभव नहीं, कैंसिल की सिफारिश उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

बच्चों को जबरन एनसीसी ज्वाइनिंग नहीं करवा सकते

प्राचार्य बस्तीराम ने एनसीसी कमांडेंट के आरोपों को खारिज कर दिया। कहा कि बच्चों को जबरन एनसीसी ज्वाइनिंग नहीं करवा सकत। एनरोलमेंट के दौरान अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया गया था। बच्चों को नियमानुसार ही एनसीसी में पंजीकरण की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

एनसीसी यूनिट नहीं टूटने देंगे

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि एनसीसी प्रशिक्षण लेने से युवाओं में देशसेवा की प्रेरणा जाग्रत होती है। नांगल चौधरी स्कूल में पुरानी यूनिट है, इसे टूटने नहीं देंगे। प्राचार्य के खिलाफ मिली शिकायत पर कमेटी बना दी। जिसकी रिपोर्ट पर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चो, बारिश के दौरान जब तुम घर से बाहर निकलते हो तो भीगने से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल जरूर करते होगे। क्या तुम जानते हो कि दुनिया के कई देशों में 'अंब्रेला म्यूजियम' यानी छाता संग्रहालय भी हैं? जानो, कुछ अंब्रेला म्यूजियम्स के बारे में।

अलग-अनोखे हैं ये अंब्रेला म्यूजियम

रोचक

शिखर चंद जैन

बच्चो, बारिश का मौसम आते ही सबसे पहले याद आता है छाता। भीगने से बचाने का सबसे आसान जरिया छाता ही है। दुनिया भर में इसका इस्तेमाल सदियों से हो रहा है। सैकड़ों तरह के छाते देश-विदेश में प्रचलित हैं। तुम्हें जानकर अचरज होगा कि कुछ देशों में अनोखे छाता संग्रहालय भी मौजूद हैं। यहां तुम छातों के क्रमिक विकास और उनके विभिन्न प्रकारों के बारे में जान सकते हो।

अंब्रेला एंड पारासोल म्यूजियम, इटली

इटली के पीडमोंट में मौजूद इस अनूठे छाता और छत्र (पारासोल) संग्रहालय की स्थापना 1939 में इगिनो एंब्रोसिनी (1883-1955) ने की थी। हालांकि वह खुद कृषि विज्ञानी थे, लेकिन छाता बनाना उनका पुश्तैनी कारोबार था। इसलिए छाते के प्रति उनको लगाव था। 1976 से इस संग्रहालय को वर्बानो-कुसियो-ओसोला प्रांत के गिग्नेस में स्थित दो-मंजिला इमारत में शिफ्ट कर दिया गया।

इस संग्रहालय में विभिन्न खंडों में छाते, छत्र और इनके निर्माण से जुड़ी सामग्रियों सहित 1,000 से अधिक वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं। इनके माध्यम से दर्शक यहां 1800 के दशक के आरंभ से लेकर आज तक छतरियों के क्रमिक विकास को देख और समझ सकते हैं।

इस म्यूजियम में तरह-तरह के फीते, रेशम, सूती और सिंथेटिक फैब्रिक, लकड़ी, हड्डी और धातु के फ्रेम के साथ, लकड़ी में नक्काशीदार सुंदर हैंडल, हाथी दांत, मोती और चांदी जैसी बहुमूल्य सामग्रियों से बनी छतरियां भी दर्शकों को खूब लुभाती हैं। संग्रहालय की पहली मंजिल छाता बनाने वाले कारीगरों के पेशे को समर्पित है। यहां तुम दो विशाल छाते भी देख सकते हो, जिन पर चित्रकार फेलिस वेलन ने छाता बनाने वालों के जीवन का संक्षिप्त चित्रण किया है। संग्रहालय में ऐतिहासिक वस्तुओं के लिए भी एक खंड समर्पित किया गया है, इसमें पूर्व रानी मार्गरिटा की छतरी प्रदर्शित की गई है।

अंब्रेला कवर म्यूजियम, यूएसए

अंब्रेला कवर संग्रहालय, यू एस ए

यह संग्रहालय अमेरिका के पीक्स आईलैंड में स्थित है। इस मशहूर संग्रहालय का निर्माण नैंसी हॉफमैन ने वर्ष 1996 में करवाया। इस संग्रहालय को बनाने का विचार हॉफमैन के मन में तब आया जब वे एक अलमारी साफ कर रहे थे और उन्हें पुराने सात छाते मिले। संग्रहालय की शुरुआत हॉफमैन ने अपने घर की रसोई से की। जैसे-जैसे उनका संग्रह बढ़ता गया, इसे एक बड़े स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने यहां 66 देशों से बड़ी संख्या में छाते और छत्र संग्रह किए। इस संग्रहालय में 'लेट अ स्माइल बी योर अंब्रेला' गाते हुए अकॉर्डियन बजाते हुए हॉफमैन को अकसर ही देखा जा सकता है। अंब्रेला कवर म्यूजियम का मिशन कहता है कि यह संग्रहालय रोजमर्रा की जिंदगी में दैनिक उपयोग की चीजों की सराहना के लिए समर्पित है। इस संग्रहालय में ढाई इंच की बार्बी डॉल की नन्ही सी छतरी से लेकर छह फुट लंबा छाता भी मौजूद है। 7 जुलाई 2012 को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने हॉफमैन के 730 छातों के संग्रह को दुनिया का सबसे बड़ा अंब्रेला म्यूजियम माना।

चीन छाता संग्रहालय, चीन

चीन का हांगझोऊ आर्द्र जलवायु वाला शहर है। यहां काफी बारिश होती है। हांगझोऊ को चीनी छाते का जन्मस्थान भी माना जाता है। यहां के इस छाता संग्रहालय में तुम्हें छाते से जुड़े कई

सवालों के जवाब मिल सकते हैं। चीन के पहले छाता संग्रहालय के रूप में यह छाता संस्कृति, छाता इतिहास, छाता कथा और छाता निर्माण प्रक्रिया को व्यापक रूप से प्रदर्शित करता है। इस संग्रहालय को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इसके भीतर तुम्हें बारिश में खड़े होने का अहसास होगा। संग्रहालय के अंदर, मल्टीमीडिया उपकरणों द्वारा निर्मित आभासी बारिश का दृश्य और पानी का धुआं सा यानी कोहरा सा दिखाई देता है। संग्रहालय की दीवारों को टाइल ग्रे रंग से रंगा गया है। संग्रहालय के छह ब्लॉक्स में छतरियों की उत्पत्ति, विभिन्न श्रेणियां, कला -संस्कृति और आधुनिक छातों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा संग्रहालय के अंदर एक इंटरैक्टिव जोन भी है। जहां पर्यटक छतरियों के पुर्जे जोड़ने, छतरी रंगने और छतरियों की मरम्मत करने जैसी एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। *

देश में बन रहा रेन म्यूजियम

बच्चो, अपने देश में कोई छाता संग्रहालय तो नहीं है। लेकिन दुनिया के पहले रेन म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है। बच्चो, दुनिया में सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान मेघालय के मॉसिनराम में दुनिया का पहला वर्षा संग्रहालय बनाया जा रहा है। तुम्हें बताते चलें कि मॉसिनराम, धरती का सबसे ज्यादा बारिश वाला स्थान है, जहां हर साल 11,000 मिमी से ज्यादा बारिश होती है। 35 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस वर्षा संग्रहालय के अंदर पर्यटकों को वर्षा और इसके इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा। इमेजिन करो, तुम एक ऐसे कमरे में प्रवेश कर रहे हो, जहां बारिश हो रही है। इस एक्सपीरियंस के लिए यहां एक इनडोर रेन जोन भी बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वर्षा के दौरान रेन म्यूजियम के भीतर भी इस पहाड़ी गांव से गुजरने के अनुभव को जीवंत बनाना है। भारत का मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और इसरो वास्तविक समय के डेटा का उपयोग करते हुए वर्षा को कैसे मापते हैं? जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में इसका क्या अर्थ है, इस पर यहां इंटरैक्टिव प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

बच्चो, रक्षाबंधन का इंतजार हर भाई-बहन को होता है। भाई-बहन के प्यार भरे रिश्ते का महत्व बताने वाले इस त्योहार से जुड़ी अनेक कथाएं, किंवदंतियां और ऐतिहासिक किस्से हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसे शुरू हुआ रक्षाबंधन

पर्व

शिवानी छाया

बच्चो, भाई-बहन के प्यार और स्नेह को प्रकट करता है रक्षाबंधन का त्योहार। इस दिन बहनें अपने प्यारे भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं, तिलक लगाती हैं और मिठाई खिलाती हैं। भाई भी अपनी प्यारी बहना को गिफ्ट देते हैं। साथ ही हमेशा अपनी बहन का साथ निभाने, उसकी रक्षा करने का वादा भी करते हैं। क्या तुमने कभी सोचा है कि रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत कब और कैसे हुई? जानो, इसके बारे में।

रक्षाबंधन से जुड़ी पौराणिक कथाएं: एक पौराणिक कथा के अनुसार राजा बलि, भगवान विष्णु के परम भक्त और महादानी थे। एक बार, राजा बलि ने यज्ञ करके स्वर्ग पर अधिकार करने का प्रयास किया, जिससे भयभीत होकर देवराज इंद्र ने भगवान विष्णु से मदद मांगी। भगवान विष्णु, वामन का रूप धारण कर राजा बलि के द्वार पर पहुंचे और उनसे तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा बलि ने इस मांग को स्वीकार कर लिया। वामन रूप धरे भगवान विष्णु ने तो एक पग में पूरी धरती और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। अब क्या? अब वे तीसरा पग कहां रखें? तब राजा बलि ने अपना सिर आगे कर कहा कि आप अपना तीसरा पग मेरे सिर पर रख लीजिए। राजा की यह दानवीरता देख भगवान प्रसन्न हुए और राजा बलि को पाताल लोक का राजा बना दिया और उनसे वरदान मांगने को कहा। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा कि आप मेरे साथ पाताल लोक में ही चलकर रहें। भगवान विष्णु राजा बलि के साथ पाताल लोक में रहने चले गए। इससे माता लक्ष्मी और सभी देवता चिंतित हो गए। माता लक्ष्मी एक गरीब महिला का रूप धारण कर महाराज बलि के पास पहुंची और उन्हें राखी बांधी। जब राजा बलि ने राखी के बदले में कुछ मांगने को कहा, तो माता लक्ष्मी अपने असली रूप में आ गईं और उन्होंने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को बैकुंठ धाम जाने दें। राखी का मान रखते हुए राजा बलि ने माता लक्ष्मी की बात मान ली। फिर भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ अपने धाम को लौट गए। बच्चो, हर साल हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को रक्षाबंधन त्योहार मनाया जाता है, क्योंकि इसी तिथि को माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी थी।

एक दूसरी कथा महाभारत में वर्णित है- जब भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का सुदर्शन चक्र से वध किया, तो इस दौरान उनकी अंगुली घायल हो गई थी और उससे खून बहने लगा था। भगवान कृष्ण की अंगुली से खून बहते देखकर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली में बांध दिया। इस चीर (वस्त्र) के बदले में श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को हर संकट से बचाने का वचन दिया। आगे चलकर अपने वचन का मान रखते हुए भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी के चीरहरण के समय उनकी रक्षा की।

रक्षाबंधन से संबंधित ऐतिहासिक किस्से: कहा जाता है कि सिकंदर ने जब पोरस के राज्य पर आक्रमण किया तो सिकंदर की पत्नी रोक्साना ने राजा पोरस को राखी भेजकर युद्ध में सिकंदर को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया था।

एक अन्य प्रसंग चित्तौड़ की महारानी कर्णावती का है, जिन्होंने हुमायूं को राखी भेजकर अपने राज्य को आक्रमणकारियों से बचाने का निवेदन किया था। हुमायूं ने रानी कर्णावती को बहन माना और उनकी मदद की।

ब्रिटिश राज में, 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान देशवासियों को एकजुट करने के लिए रवींद्रनाथ टैगोर ने हिंदुओं-मुसलमानों को एक-दूसरे को राखी बांधने का आह्वान किया था। *

कविता / वसीम अहमद नगरामी

रक्षाबंधन के दिन

रक्षाबंधन के दिन तितली
चुपके-चुपके आई।
बोली, भंवरे भैया अपनी
आगे करो कलाई।
लाई हूं सुंदर सी राखी
लो भैया बंधवा लो,
मैंने बनाई खास मिठाई
लो थोड़ी सी खा लो।
भंवरे ने राखी बंधवाई
बड़े मजे से खाई मिठाई।
खुश होकर तब तितली बोली
जुग-जुग जियो मेरे भाई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

मीठे-प्यारे गीत

बच्चो, कुछ समय पहले तुम्हारे लिए मीठे-मीठे प्यारे गीतों की एक किताब 'बचपन है फुलवारी' छपकर आई है। इसके लेखक हैं राजा चौरसिया। इस किताब में कुल 32 गीत हैं। इन गीतों को पढ़ने में तुम्हें मजा तो आएगा ही, इनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलेगा। कई गीतों में प्रकृति के संरक्षण और वृक्षों की महत्ता को बताया गया है। *'आओ बढ़ाएं इस धरती पर, वृक्षारोपण से हरियाली।'* कुछ गीतों में हंसने, मुस्कुराने और खुश रहने के लिए प्रेरित किया गया है। जैसे- *'फूलों की कलियों सी भाए, मंद-मंद मुस्कान। तन-मन स्वस्थ, मस्त हैं रहते, हो न कोई नुकसान।'* कुछ बच्चे जरा सी परेशानी आने पर हताश हो जाते हैं। उनको अपना हौसला बढ़ाने के लिए इस किताब के कुछ गीत पढ़ने चाहिए। ऐसे ही एक गीत की पंक्तियां हैं, *'चाहे देर भले लग जाए, रंग परिश्रम लाता है। जिसमें रहती लगन निरंतर, वही सफलता पाता है।'* इनके अलावा कई और भी प्यारे गीत हैं। किताब के अंत में बच्चो, तुम एक मजेदार गीत 'चूहे का उत्तर' भी पढ़ सकते हो। *

किताब: बचपन है फुलवारी, **लेखक:** राजा चौरसिया
मूल्य: 125 रुपए, **प्रकाशक:** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

कहानी

हरीश कुमार अमित

राखी का त्योहार आया तो अदिति ने अपने भाई क्षितिज को सरप्राइज देने की सोची। उधर क्षितिज ने भी अपनी बहन को सरप्राइज देने की सोच रखी थी। मजे की बात हुई कि अदिति-क्षितिज के मम्मी-पापा ने भी अपने बच्चों को ऐसा सरप्राइज दिया कि उनका राखी का त्योहार सबके लिए सरप्राइज भरा हो गया।

सरप्राइज वाली राखी

रक्षाबंधन वाले दिन की सुबह अदिति अपने आप ही जाग गई थी, वरना स्कूल जाने वाले दिनों में तो हर रोज मम्मी को उसे जगाना पड़ता था। बिस्तर से उतरकर अदिति ने देखा कि उसका भैया क्षितिज, उससे पहले ही जाग चुका था। वह ब्रश कर रहा था। अदिति और क्षितिज जुड़वां भाई-बहन हैं। क्षितिज को देखते ही अदिति बोली, 'भैया, आज तो राखी वाला दिन आ गया है। अब तो अपना सरप्राइज बता दो।'

'अभी नहीं, बाद में बताऊंगा, और तुमने कब बताया अपना सरप्राइज?' क्षितिज अपनी आंखों की पुतलियां नचाते हुए बोला।

'मैं भी बाद में बताऊंगी।' अदिति यह कहकर हंस दी। 'ठीक है।' क्षितिज ने कहा और फिर नहाने चला गया। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से अदिति और क्षितिज एक-दूसरे से कह रहे थे कि राखी वाले दिन एक सरप्राइज देंगे। थोड़ी देर बाद तैयार होकर अदिति, क्षितिज को राखी बांधने के लिए थाली सजाकर लाई। फिर कुर्सी पर बैठे क्षितिज के सामने डाइनिंग टेबल पर थाली रख दी। तभी मम्मी-पापा भी वहां आ गए।

अदिति जब क्षितिज को राखी बांधने लगी तो उसने बताया कि जो राखी वह बांधने जा रही है, वह उसने अपने हाथों से बनाई है। यह जानकर क्षितिज को आश्चर्य हुआ। वह बोला, 'अपने हाथों से...! अपने आप कैसे बना ली इतनी सुंदर राखी तुमने? यह तो बाजार में मिलने वाली राखी जैसी ही लग रही है।'

'इस राखी को मैंने बड़ी मेहनत से बनाया है। इसे बनाने के तरीके के बारे में टीचर जी से भी पूछा और मम्मी की मदद भी ली।' अदिति ने बताया।

अदिति ने राखी बांध दी तो क्षितिज ने पास ही रखी कपड़े से ढंकी किसी चीज पर से कपड़ा हटाया। एक रंग-बिरंगी गुल्लक अदिति की ओर बढ़ाते हुए वह बड़े स्नेह से बोला, 'यह मेरी तरफ से राखी का उपहार है।'

'अरे वाह, इतनी सुंदर गुल्लक!' गुल्लक को देखते ही अदिति बहुत खुश हो गई। 'इसे खुद बनाया है मैंने।' क्षितिज ने बताया। 'क्या, इसे खुद बनाया है तुमने, भैया?' अदिति ने अचरज से पूछा। 'हां, मैंने खुद बनाई है यह, राखी पर तुम्हें देने के लिए।' क्षितिज ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

'लेकिन इसे तुमने बनाया कैसे?' अदिति ने सवाल किया। 'कार्ड बोर्ड, गोंद, सेलो टेप और रंगीन कागजों से बनाई है यह गुल्लक। इसे बनाने के लिए मैंने भी अपने स्कूल के टीचर जी की मदद ली और पापा से भी पूछा।' क्षितिज ने बताया। अदिति गुल्लक को हाथों में लेकर बोली, 'तुम्हारी बनाई गुल्लक मुझे बहुत पसंद आई।'

'तुमने भी तो बहुत सुंदर राखी बनाई है! कितनी प्यारी लग रही है! मैं इसे हमेशा संभालकर रखूंगा।' क्षितिज ने कलाई पर बंधी राखी पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए कहा।

अदिति बोली, 'भैया, तुम्हारी गुल्लक भी बहुत सुंदर बनी है। मैं भी इसे हमेशा संभालकर रखूंगी।'

तभी पापा क्षितिज से बोले, 'लेकिन राखी के त्योहार पर क्या तुम अपनी बहन को खाली गुल्लक ही दे रहे हो?'

'नहीं पापा, इसमें मैंने अपनी पॉकेट मनी से बचाकर रखे कुछ रुपए भी डाल दिए हैं।' क्षितिज बोला। 'कितने रुपए डाले हैं गुल्लक में?' मम्मी ने पूछा।

'मम्मी, यह भी सरप्राइज है।' क्षितिज ने हंसते हुए जवाब दिया।

'अच्छा तो तुम दोनों के सरप्राइज के बाद अब मेरी ओर से भी एक सरप्राइज है।' मम्मी ने मुस्कुराते हुए कहा तो सब उनकी ओर देखने लगे। 'आज मैंने तुम सबकी फेवरेट किशमिश वाली खीर बनाई है और साथ ही गरमा-गरम प्याज की कचौरियां भी।' मम्मी ने हंसते हुए बताया। 'वाह, मुंह में पानी भर आया है मम्मी!' क्षितिज खुशी से चहकते हुए बोला।

'आज तो बहुत मजा आएगा नाश्ते का।' खुशी से उछलते हुए अदिति भी बोली।

तभी पापा बोले, 'एक सरप्राइज मेरी तरफ से भी है..।' 'क्या सरप्राइज, पापा?' अदिति ने पूछा। क्षितिज भी उत्सुकता से पापा की तरफ देखने लगा। 'थोड़ी देर पहले तुम्हारी बुआ जी का फोन आया था। मुझे राखी बांधने के लिए उन्हें दिल्ली आना था, लेकिन आज सुबह उनके पैर में मोच आ गई है। इसलिए यहां आने का अपना प्रोग्राम उन्हें कैंसिल करना पड़ा है। अब हम सभी नाश्ता करके थोड़ी देर बाद आगरा चलेंगे, तुम्हारी बुआ जी के यहां जाने के लिए। कल इतवार की छुट्टी है। आज रात हम तुम्हारी बुआ जी के यहां रुक जाएंगे, कल वापस दिल्ली आने से पहले आगरा में ताजमहल, आगरा का किला, सिकंदरा वगैरह देख लेंगे।'

'अरे वाह पापा, तब तो खूब मजा आएगा!' क्षितिज ने कहा। 'यह तो दो दिन लंबी पिकनिक हो जाएगी।' अदिति भी खुशी से ताली बजाने लगी।

'इस बार की राखी बहुत मजेदार है।' क्षितिज बोला।

'सरप्राइज वाली राखी।' अदिति ने कहा तो बाकी सब हंसने लगे। *

कविता

डॉ. फहीम अहमद

नेह बंधन

बहना करती है भाई का
प्यार भरा अभिनंदन।
रंग-बिरंगे लाई धागे,
बहना यही दुआएं मांगे,
भाई रहे सदा ही आगे।
नेह भरा बंधन है पावन,
प्यारा रक्षाबंधन।
सूरज जैसा दमके भाई,
चंदा जैसा चमके भाई,
नाम कमाए जग में भाई।
यश फैले जग में भाई का,
जैसे महके चंदन।
फूलों भरी सदा हो राहें।
भाई को सब लोग सराहें,
पाएं हर मंजिल जो चाहें।
फूलों सा जीवन हो उनका
है प्रभु से यह वंदन।
जगमग हो भाई का आंगन,
भरा रहे खुशियों से दामन,
बना रहे यह बंधन पावन।
रिश्तों में महसूस करें नित,
नेह भरा स्पंदन।।

जीके क्विज-165

1. हाल ही में किस अभिनेत्री को बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला?
2. दिल्ली की वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?
3. भारत में पहली एसटीडी फोन सेवा देश के किन दो शहरों के बीच शुरू की गई थी?
4. सात हजार से अधिक प्रायद्वीपों का समूह कहां स्थित है?
5. भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता कौन थे?
6. ब्रिटिश काल में 'दीनबंधु' के नाम से कौन से महापुरुष प्रसिद्ध हुए थे?
7. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहां दिया था?
8. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर का नाम क्या था?
9. एक्स-रे का आविष्कार किसने किया था?
10. रिक्टर स्केल से क्या मापा जाता है?

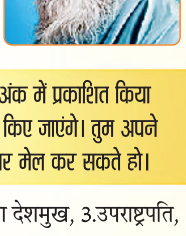

बच्चों, जीके क्विज-165 का उत्तर 'बालभूमि' के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-164 का उत्तर : 1. 29 अगस्त, 2.दिव्या देशमुख, 3.उपराष्ट्रपति, 4.नई दिल्ली, 5.राष्ट्रपति, 6.बृहस्पति, 7.चिल्का झील, 8.राजस्थान, 9.त्वचा (स्किन), 10.विवेक एक्सप्रेस

जीके क्विज-164 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, संजना-रोहतक, आद्या-उमरिया, सौम्या-जांजगीर, स्वप्निल-जांजगीर, उमेश-धमतरी, नैतिक-मानपुर, अश्विनी-राजनांदगांव, कबीर-हिसार

रंग भरो-181

रंग भरो-181 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रगति, बिलासपुर

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आशना, जांजगीर

पूर्वी, बिलासपुर

आन्या, बिलासपुर

मानस, राजनांदगांव

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सार्थक-रायपुर, वेदिका-बालोद, कनिका-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, प्रिया-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, राशि-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, डिंपल-करनाल, साकेत-बिलासपुर, कोमल-कोरबा

रंग भरो 182

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी अपने भाई राजू को राखी बांध रही है। तुम इस प्यारे-से चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

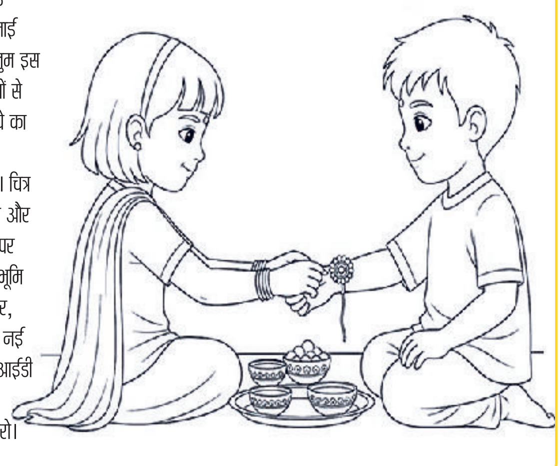

सीवर और सेप्टिक टैंकों के दौरान खतरों पर कार्यशाला का आयोजन

हेलमेट, ग्लव्स, मास्क, गैस डिटेक्टर व ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे सुरक्षा साधनों के उपयोग की प्रक्रिया को भी समझाया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से मंगलवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में सीवरमैन एवं सेनेटरी वर्कर्स के लिए नमस्ते योजन के तहत सीवर व सेप्टिक टैंकों की खतरनाक सफाई पर कार्यशाला का आयोजन किया। जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने बताया कि यह कार्यशाला विशेष रूप से सीवरेज एवं सेप्टिक टैंक की सफाई जैसे जोखिमपूर्ण कार्यों में लगे कर्मियों को सुरक्षा उपकरणों के उपयोग व सावधानियों के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित की।

इस प्रशिक्षण में नारनौल, नांगल चौधरी, कनीना, अटेली व महेन्द्रगढ़ क्षेत्रों से आए सभी सीवरमैन ने भाग लिया। कार्यशाला में रीजनल बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर गौरी शंकर ने प्रतिभागियों को सेफ्टी किट और सुरक्षा उपकरणों की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन एवं प्रदर्शन के माध्यम से यह समझाया कि सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान किन किन खतरों से सामना हो सकता है तथा उनसे बचाव के उपाय क्या हैं। उन्होंने हेलमेट, ग्लव्स, मास्क, गैस डिटेक्टर व ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे सुरक्षा साधनों के उपयोग की प्रक्रिया को भी समझाया।

नारनौल। कार्यशाला में मौजूद सीवरमैन। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा किट के वितरण के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन

सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताया व सुरक्षा के प्रति मिली जानकारी को भविष्य में कार्य के दौरान अपनाने का संकल्प लिया। जन स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित यह कार्यशाला न केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम थी, बल्कि यह एक सशक्त पहल है, जो सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित करने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। विभाग का उद्देश्य है कि जिले का हर सीवरमैन जागरूक, प्रशिक्षित और पूर्ण रूप से सुरक्षित साधनों से युक्त हो, ताकि कोई भी जनहानि या दुर्घटना न हो। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन व सुरक्षा किट के वितरण के साथ हुआ।

कार्य करने के लिए सभी जरूरी संसाधन प्रदान करना

इस अवसर पर जल एवं स्वच्छता संगठन, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार मंगतु राम सरसवा ने नमस्ते योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नमस्ते योजना केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है। जिसका उद्देश्य मैनुअल स्कैवेंजिंग को समाप्त करना और सेनेटरी वर्कर्स को सुरक्षा एवं गरिमा के साथ कार्य करने के लिए सभी जरूरी संसाधन प्रदान करना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के तहत सीवरेज व सफाई कर्मियों को न केवल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें सुरक्षा उपकरण भी निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। कार्यशाला में बीआरसी इंद्रजीत, अशोक कुमार, मोहित कुमार व विक्रम सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नारनौल। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

पटीकरा में वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। थाना शहर पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत गांव पटीकरा में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना था। एसएचओ मुकेश कुमार ने नशा मुक्ति को एक जनांदोलन बताया और लोगों से इसमें सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। इस प्रतियोगिता में पटीकरा गांव की टीमों ने हिस्सा लिया। विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

आरआरसीएम स्कूल में खेल प्रतियोगिता 11 से

कनीना। आरआरसीएम विद्यालय में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 11 अगस्त से शुरू होंगी। संस्था चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बताया कि विभाग के आदेशानुसार जिला स्तर पर हैंडबॉल व बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 व 12 अगस्त को आरआरसीएम स्कूल में होना सुनिश्चित हुआ है। इसमें 11 तारीख का दिन लड़कियों के लिए एवं 12 तारीख का दिन लड़कों के लिए सुनिश्चित किया गया है। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बताया कि विद्यालय में खेलों से संबंधित सभी प्रकार की तैयारी पूरी कर ली है, ताकि आने वाले खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

महेंद्रगढ़। राखी दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

बीजेआरडी विद्यालय में मनाया राखी का त्योहार

महेंद्रगढ़। बीजेआरडी विद्यालय में राखी त्यौहार की पूर्व बेला पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ पीआरटी हेड ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित करके किया। सीईओ रमेश यादव ने बच्चों से राखी बंधवाकर उनकी रक्षा का आश्वासन दिया। कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के बच्चों ने मेरा बैक बोन मेरा भाई तू गाने पर नृत्य किया। कक्षा तीसरी से जिया, पल्लवी, रिया ने मेरा भाई तू मेरी जान है पर नृत्य किया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें कक्षा छठी से माही, लक्षिका व कक्षा सातवीं से रक्षा और साक्षी प्रथम रहे। थाली सजाओ प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से दक्ष, अवनी, सोनाक्षी, रिया, काजल व ऊर्वी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राखी बनाओ प्रतियोगिता में कक्षा चौथी व पांचवी से ईशा, हर्षिता प्रथम रहीं। इसके अलावा राधिका, अजय द्वितीय व ललित और आरुषि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य सुरेश सैनी ने बच्चों को समझाया कि हमें इस त्योहार की विशेषता व महत्ता को समझना चाहिए और इस पवित्र बंधन का मान रखना चाहिए। विभिन्न कार्यक्रम की निर्णायक मंडली की भूमिका अमिता यादव, सुरेखा, शर्मिला, टीना, गीता, निशा व मिथलेश ने निभाई।

यदुवंशी कॉलेज में प्रतियोगिता आयोजित

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा में साइबर सुरक्षित भारत थीम्स पर ड्राइंग कंपटीशन व स्लोगन राइटिंग की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक संकाय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रंग बिरंगी पेंसिलों से ब्लैक एंड व्हाइट कागज पर चित्र बनाते हुए अपने सपनों को पंख दिए। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षण माह के प्रारंभिक महीने में बच्चे व अभिभावक अभी शिक्षण स्थान तय नहीं कर पाए हैं। कॉलेज के विद्यार्थी अध्ययन से जुड़कर अपनी मंजिल पर जाने के लिए प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन जितेंद्र यादव, संजय कुमार व राहुल बोहरा के नेतृत्व में किया गया। प्राचार्य बजरंग लाल यादव, उपप्राचार्या सोनल यादव ने विद्यार्थियों की प्रतियोगिता का निरीक्षण किया।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। छात्रा हर्षिता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरआरसीएम स्कूल की छात्रा रही प्रथम

महेंद्रगढ़। खंड स्तर पर आयोजित क्वांटम थ्योरी पर आधारित साइंस सेमिनार का आयोजन पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में संपन्न हुआ, जिसमें खंड स्तर पर विभिन्न स्कूलों से विभिन्न प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें आरआरसीएम स्कूल की कक्षा 10वीं की छात्रा हर्षिता पुत्री संदीप जाजू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर्षिता ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने स्कूल के समस्त गुरुजनों को दिया। इसके पश्चात स्कूल पहुंचने पर संस्था डायरेक्टर विपुल यादव एवं प्रिंसिपल हरिप्रकाश ने छात्र को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया एवं सराहना की।

न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैंः सीजेएम

नारनौल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एक जुलाई से 30 सितंबर तक चल रहे मेडिएशन फॉर द नेशन विशेष राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सक्रिय रूप से कार्यरत है। इस अभियान का उद्देश्य विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता को एक प्रभावी और सौहार्दपूर्ण माध्यम के रूप में बढ़ावा देना है। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि जिला स्तर पर मध्यस्थता के लाभ और प्रक्रिया के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ता इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। जिससे लोगों में मध्यस्थता के प्रति भरोसा और जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि अब तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 46 मामलों का निपटारा किया गया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आपसी समझ और सहयोग से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। जिससे न केवल रिश्तों में मधुरता बनी रहती है, बल्कि अदालतों पर मामलों का बोझ भी कम होता है। मध्यस्थता के माध्यम से पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद, व्यावसायिक अनुबंध, उपभोक्ता शिकायतें और अन्य कई प्रकार के मामलों का प्रभावी समाधान संभव है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्याय तक आसान पहुंच और वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया का लाभ उठाकर शीघ्र और सौहार्दपूर्ण न्याय प्राप्त कर सकें।

महेंद्रगढ़। महिलाओं को संबोधित करती डॉ. पवित्रा राव। फोटो : हरिभूमि

श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति के संकल्प में सैकड़ों महिलाओं ने भी लिया भाग

महेंद्रगढ़। श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा शहर के सबसे प्राचीन स्कूल पाठशाला तथा मोहल्ला महायचान में चल रहे संध्याकालीन निःशुल्क स्कूल के बच्चों का गुरुवार को वार्षिक महोत्सव- संकल्प से उज्ज्वल भविष्य की ओर का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा अनेक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शिक्षाप्रद नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से देश की एकता व अखंडता का संदेश दिया। प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को उजागर करने वाली लघु नाटिका व देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों को खूब सराहा गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं व पुरुष भी शामिल रहे। मेधावी बच्चों का सम्मान व प्रोत्साहन भी किया गया। समिति प्रवक्ता मनोज यादव ने बताया कि कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा व आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव मुख्यातिथि रही जबकि पूर्व बाल विकास अधिकारी विपिन शर्मा, जिला युवा अधिकारी नित्यानंद, बीएमडी फाउंडेशन से कर्मपाल, सामाजिक कार्यकर्ता शिवकुमार मित्तल, निशानेबाज कोच सुरेंद्र शर्मा, बाबा दूधाधारी सेवा समिति से हरीश कुमार तथा सलम एरिया से हनी गुप्ता व प्रेम राव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल की खो-खो टीम बनी ब्लॉक विजेता

महेंद्रगढ़। शिक्षा विभाग हरियाणा के द्वारा आयोजित खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर-19 आयु वर्ग में खो-खो की लड़कों और लड़कियों की दोनों टीम ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान पर रहीं। कनीना ब्लॉक में चार दिवसीय खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें देवयानी इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने अपने प्रतिद्वंदी को मात देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कों की टीम में शामिल अनीश, निखिल, मोहित, नितिन, नितेश यादव, अंकित राव, जितेंद्र, आशीष कुमार, निशांत, उदय कुमार हैं। लड़कियों की टीम में शामिल जोया, शिवानी चौधरी, नीतू यादव, खुशी राव, रेखा राजपूत, मुस्कान चौधरी, तरुणा यादव, भूमिका राव, राखी चौधरी और रितिका यादव शामिल हैं। सभी विजेता विद्यार्थियों को स्कूल प्रांगण में पहुंचने पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि एकेडमी शिक्षा और खेल मैदान की शिक्षा एक-दूसरे के पूरक होती है, इसलिए विद्यार्थी को अपने संपूर्ण विकास के लिए खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में बहु-विषयक सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में कक्षा आठवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक बहु-विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार विद्यालय के भौतिक विज्ञान प्रवक्ता सुदर्शन लांबा एवं शिक्षिका अविका यादव के समन्वय और मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सम-सामयिक और वैश्विक विषयों की जानकारी देना, उनमें तार्किक सोच विकसित करना और रचनात्मकता को मंच प्रदान करना था। सेमिनार में जिन प्रमुख विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार और प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए, उनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), प्राकृतिक आपदाएं, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, प्रदूषण, लैंगिक समानता, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभाव, क्वांटम टेक्नोलॉजी, जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, और शिक्षा में नवाचार जैसे आधुनिक और चुनौतीपूर्ण विषय शामिल थे।

विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां दीं जिनमें पोस्टर प्रेजेंटेशन, पावरपॉइंट स्लाइड्स, भाषण प्रतियोगिता, वाद-विवाद, लघु नाटिका, मॉडल प्रदर्शनी और पैनल चर्चा शामिल रहीं।

इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों ने न केवल अपनी जानकारी साझा की बल्कि जटिल विषयों को सरल भाषा में समझाकर दर्शकों को भी प्रभावित किया। कक्षा नौवीं की छात्र हर्ष ने महिला सुरक्षा और तकनीकी समाधान पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी, जबकि कक्षा दसवीं की छात्रा तनुश्री ने साइबर सुरक्षा से संबंधित एक कार्यशील मॉडल प्रदर्शित किया जिसे खूब सराहना मिली। कक्षा नौवीं के छात्रों ने प्रदूषण विषय पर एक सजीव नाटिका के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संस्थापक राम सिंह यादव ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों को समृद्ध अनुभव प्रदान करते हैं बल्कि उन्हें भावी चुनौतियों के लिए भी तैयार करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया तथा आयोजन समिति और शिक्षकों की सराहना की। विद्यालय परिवार ने ऐसे शैक्षणिक और सृजनात्मक आयोजनों को आगे भी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सतनाली मंडी। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी की छात्रा ने सीबीएसई क्लस्टर में जीता गोल्ड

सतनाली मंडी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली की होनहार छात्रा हर्षिता पुत्री विरेंद्र ने सीबीएसई क्लस्टर नॉर्थ जोन 2 ताइक्वांडो 2025 में गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय ही नहीं, सम्पूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ हर्षिता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस अवसर पर यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विजेता खिलाड़ी हर्षिता, कोच, अभिभावकों व विद्यालय परिवार को बधाई दी। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने गवर्नमेंट स्कूल निम्बी में आयोजित ब्लॉक लेवल की प्रतियोगिताओं में शॉटपुट अंडर 14 में पहला, रिले रेस अंडर 14 में पहला, लॉन्ग जम्प अंडर 17 में दूसरा, 100 मीटर रेस अंडर 17 में दूसरा, प्रीति कक्षा व 800 मीटर रेस अंडर 17 में खुशी दूसरे स्थान पर रही। ग्रुप के फाउंडर निदेशक राजेंद्र सिंह व निदेशक विजय सिंह ने कहा कि यदुवंशी सतनाली ने ब्लॉक स्तरीय खेलों में भी बैडमिंटन, खो खो, वॉलीबॉल व कबड्डी जैसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर जिला स्तर पर अपनी जगह सुनिश्चित की है।

ब्लॉक स्तरीय साइंस सेमिनार का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी स्कूल में वीरवार को ब्लॉक साइंस सेमिनार व खंड स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज के निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न खंडों की 11 चयनित टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन एससीआरटी की ओर से किया गया। जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को पहले लिखित परीक्षा से गुजरना पड़ा। इसके पश्चात छात्रों ने विज्ञान विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिए तथा प्रश्नोत्तरी सत्र में अपनी वैज्ञानिक समझ का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में यदुवंशी शिक्षा निकेतन की छात्रा मुस्कान पुत्री मनोज कुमार यादव ने प्रथम, सीएल स्कूल की छात्रा सलोनी पुत्री प्रीतम कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज कोआडिनेटर, मनमोहन सिंह, मनीष शर्मा, अशोक कुमार, मनीषा यादव, रविन्द्र अग्रवाल ने निभाई। आयोजकों की ओर से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए व विजेताओं को सम्मानित किया गया। यदुवंशी संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी बच्चों को बधाई दी।

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सार्वजनिक स्थानों पर आमजन को किया साइबर क्राइम के बारे में जागरूक

पुलिस थानों व चौकियों की टीमों ने चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

साइबर जागरूकता दिवस के अवसर पर जिले के सभी पुलिस थानों व चौकियों की टीमों ने व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। जिसका उद्देश्य युवाओं व आम जनता को साइबर अपराधों से बचाना था। इस दौरान पुलिस की ओर से हजारों युवाओं, आमजन को साइबर अपराधों व उनसे बचने की जानकारी दी। साइबर जागरूकता अभियान जिले के कई प्रमुख स्थानों पर चलाया गया। जिनमें सतनाली, नारनौल शहर क्षेत्र, अटेली, रायमिलकपुर, निजामपुरए और अन्य मुख्य चौक शामिल थे। पुलिस की विभिन्न टीमों ने इन जगहों पर लोगों को एकत्रित करके साइबर सुरक्षा के महत्व को समझाया।

नशा मुक्ति का दिया संदेश

इस अभियान में पुलिस ने साइबर सुरक्षा के साथ साथ एक और महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी दिया। पुलिस ने युवाओं व आम जनता से नशे की लत से बचने और एक स्वस्थ जीवन जीने का आह्वान किया। पुलिस ने लोगों को यह भी बताया कि अगर वे किसी भी साइबर अपराध का शिकार होते हैं, तो उन्हें तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए। यह नंबर साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने व जल्द से जल्द मदद पाने के लिए है।

नारनौल। सार्वजनिक स्थान पर आमजन को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती पुलिस।

साइबर अपराध के तरीके व बचाव के उपाय

पुलिस ने लोगों को बताया कि आज के डिजिटल युग में जहां हर कोई मोबाइल व कंप्यूटर से जुड़ा है। साइबर अपराधी भी नए नए तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। उन्होंने कुछ मुख्य तरीकों को उजागर किया। जिसमें बताया कि साइबर अपराधी ईमेल या मैसेज के जरिए लोगों को लुभावने लिंक भेजते हैं। जब लोग इन लिंक्स पर क्लिक करते हैं, तो उनकी निजी जानकारी चोरी हो जाती है। कुछ लिंक ऐसे होते हैं, जो क्लिक करने पर आपके मोबाइल को हैक कर लेते हैं। जिससे अपराधी आपके डिवाइस का नियंत्रण पा लेते हैं। अपराधी फोन करके या मैसेज भेजकर लोगों से उनके वन टाइम पासवर्ड मांगते हैं, जिसका इस्तेमाल वे उनके बैंक खातों से पैसे निकालने के लिए करते हैं।

अपराधों से बचने के लिए सुझाव

- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना ओटीपी यूजर आईडी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें, अज्ञात नंबर से आने वाली कॉल को लेकर सतर्क रहें, अपनी निजी जानकारी जैसे बैंक खाता संख्या या आधार नंबर किसी को भी न दें।

वरिष्ठ नागरिक संगठन पत्रकार अजीत सिंह यादव को दी श्रद्धांजलि

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्यों ने वरिष्ठ पत्रकार अजीत सिंह यादव के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन धारण करके दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की कि इस पुण्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करे तथा संतप्त परिवार को यह असहनीय पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करे। वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने अजीत सिंह यादव द्वारा उनके संगठन के समाचार अपने समाचार पत्र में छपवाने के लिए पूर्ण सहयोग किया है। वे सदैव वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को अपने समाचार पत्र में जगह देने के लिए तत्पर रहते थे।

सूचना

मै, राम सिंह पुत्र श्री मोहन लाल निवासी माडला बास तह. व जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा लड़का नवीन्द्र उर्फ मोनु व पुत्रवधू सुनिता दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है इसलिए मैं उनको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। अगर भविष्य में उनसे कोई लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

TAGORE SEC. SCHOOL
An English Medium Co-Educational Cultural School (Nursery to x)
SAINIK SCHOOL
NAVODAYA SCHOOL
MILITARY SCHOOL
DEVNARAYAN
HOSTEL FACILITY
LIBRARY
ADMISSION OPEN 2025-26
BABERA ROAD, SANGTEDA, KOTPUTLI (RAJ.) Contact Us : 9256537272, 9314153444
TAGORE COLLEGE
Dr. B.R. Ambedkar Law University, Jaipur
D-PHARMA
Limited Seats PCM, PCB
ADMISSION OPEN
LL.M 2 Year LL.B 3 Year
For Admission : 9549210000, 8432044810

खबर संक्षेप

महोत्सव में स्लम एरिया टैलेंट टीम सम्मानित

नारनौल। श्रीमती हस्ती देवी जन कल्याणार्थ समिति की ओर से वार्षिक महोत्सव संकल्प से उज्ज्वल भविष्य की ओर में स्लम एरिया टैलेंट की टीम को सम्मानित किया गया। स्लम एरिया टैलेंट कई वर्षों से जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा व उनकी छुपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है। अब तक 150 से अधिक भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों का स्कूलों में दाखिला करवाया गया है।

मलेरिया व डेंगू उन्मूलन जागरुकता शिविर लगाया

कनीना। पीएचसी धनौंदा के अंतर्गत गांव अगिहार में मलेरिया उन्मूलन को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य कर्मचारियों ने ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मलेरिया व डेंगू एक जानलेवा बीमारी है, जो मच्छर के काटने से फैलती है। ये मच्छर रूके हुए व साफ पानी में पनपता है। तेज बुखार होना, तेज सिरदर्द होना, कंपन व उल्टी होना, मांसपेशियों दर्द होना, आंखों में जलन होने पर नजदीकी अस्पताल में जाएं।

धार्मिक कार्यक्रमों से परमात्मा का आशीर्वाद

नारनौल। धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके व्यक्ति परमात्मा का पूरा आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उपरोक्त उदगार जनसेवा मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन बाछौदिया ने श्री शिव महिला मंडल की ओर से सावन माह में आयोजित कीर्तन कार्यक्रम के उपरांत व्यक्त की है। भगवान की भक्ति करके व्यक्ति अपने जीवन को संवार सकता है, जो भी व्यक्ति धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी बनाते हैं, उन्हें परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त रहता है।

गंदा पानी खड़े रहने से लोगों का जीना दूभर

नारनौल। नगर परिषद के वार्ड नंबर 11 के ग्राम कोजिंदा से पटीकरा रोड पर गंदा पानी के खड़े रहने के कारण अनेक परिवारों का जीना दूभर हो रहा है। यहां से गुजरने वाले राहगिरो को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को नारनौल नगर परिषद के वार्ड नंबर 11 कोजिंदा पटीकरा रोड पलीता लगा रहा है। वहीं वार्ड नंबर 11 के निवासी मांगेराम द्वारा समाधान शिविरों व सीएम विंडो आदि सभी जगह इस गंदे पानी के खड़े रहने का रोना रो चुके हैं।

आईटीआई में दाखिले के लिए 11 से मांगे आवेदन

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2025-2026 के लिए पांचवें चरण के दाखिले के लिए 11 अगस्त से पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी देते हुए आईटीआई प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि जिन छात्रों ने पहले आवेदन किया हुआ है, उन्हें अब आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। मेरिट अनुसार प्रत्येक आईटीआई स्तर पर 12 से 14 अगस्त तथा 18 से 22 अगस्त तक प्रत्येक दिन दाखिला होगा।

रोजगारपरक पाठ्यक्रम के लिए हरियाणा सरकार व उच्चतर शिक्षा विभाग से मिल चुकी है अनुमति

राजकीय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से एक वर्षीय डिजिटल मार्केटिंग पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दाखिला आरंभ

इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय से आई टीम से भी इंस्पेक्शन के बाद मिला अप्रूवल, ग्लोबल स्तर पर दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम की मांग : प्राचार्य डॉ. जगजीत सिंह मोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की ओर से वर्तमान सत्र से एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम में दाखिला शुरू हो गया है।

इस रोजगारपरक पाठ्यक्रम हरियाणा सरकार व उच्चतर शिक्षा विभाग से अनुमति मिल चुकी है, साथ ही इन्दिरा गांधी विश्वविद्यालय से आई टीम की ओर से इंस्पेक्शन के बाद अप्रूवल भी मिल गया है।

इस कोर्स के एडमिशन भी शुरू हो चुके हैं। जिससे अब इलाके के विद्यार्थियों को इस पेशेवर पाठ्यक्रम हेतु भारत के अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी डॉ. पूर्ण प्रभा ने इस कार्यक्रम को शुरू कर पिछड़े जिले के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने व शिक्षा का अलख जगाने के लिए मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी, शिक्षामंत्री महिपाल सिंह ढांडा व विधायक ओमप्रकाश यादव का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय प्रेस प्रवक्ता प्रोफेसर डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि तेजी से बढ़ती डिजिटल दुनिया में पेशेवरों की मांग को देखते हुए यह पाठ्यक्रम छात्रों को सोशल मीडिया मार्केटिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, ईमेल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, वेब एनालिटिक्स, ई कॉमर्स आदि आधुनिक टूल्स व तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगा।

इस नवाचार पूर्ण पाठ्यक्रम का सुझाव प्रोफेसर डॉ. जेएस मोरए प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय की ओर से दिया गया था। उन्होंने बताया कि डिजिटल मार्केटिंग पाठ्यक्रम की मांग ग्लोबल स्तर पर दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उनका मानना है कि डिजिटल युग में प्रशिक्षित डिजिटल मार्केटिंग प्रोफेशनल्स की अत्यधिक मांग है और यह डिप्लोमा युवाओं को स्वरोजगार तथा बाजारोन्मुखी करियर की ओर अग्रसर करेगा।

इस कोर्स को अत्यंत महत्वपूर्ण व समयानुकूल बताया गया है। जिससे छात्रों को तकनीकी कौशल, ऑनलाइन विपणन रणनीतियां, स्टार्टअप या फ्रीलांस कार्यक्षेत्र में प्रवेश की बेहतर तैयारी मिल सकेगी।

राजकीय महाविद्यालय।

डॉ. जगजीत सिंह मोर, प्राचार्य पीजी कॉलेज।

स्नातक विद्यार्थी कर सकते हैं आवेदन

वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. अनीस यादव ने इस पाठ्यक्रम विवरण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स की अवधि एक वर्ष है। इस कोर्स में सभी संकायों के स्नातक विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स की मान्यता इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरापुर रेवाड़ी से है। कोर्स के करने के बाद बेशुमार करियर के अवसर व असीम संभावनाएं हैं। जिनमें डिजिटल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, सर्च इंजन, ऑप्टिमाइजेशन विशेषज्ञ, सर्च इंजन मार्केटिंग विशेषज्ञ, कंटेंट क्रिएटर, सोशल मीडिया मैनेजर, फ्रीलांस डिजिटल कंसल्टेंट, ई कॉमर्स मार्केटर आदि शामिल है।

आधुनिक शिक्षा से जुड़ेंगे विद्यार्थी

महाविद्यालय के एडमिशन नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि यह पहल युवाओं को आधुनिक, उद्योगोन्मुखी व रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह कोर्स शिक्षा व उद्योग के मध्य की खाई को पाटने का कार्य करेगा।

नपा ने टेंडर किया जारी, 30 अप्रैल 2023 को समाप्त हुआ था टेंडर

15 करोड़ की लागत से होगा शहर में 5 साल के लिए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन

- करीब एक वर्ष नपा की ओर से हायर की गई एजेंसी की ओर से शहर से उठाया जा रहा कूड़ा
- नपा की ओर से एजेंसी को किया जाता है प्रति माह पांच से छह लाख रुपये का भुगतान
- हायर की गई एजेंसी की ओर से नहीं किया जाता शहर से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नपा की ओर से पांच वर्षों के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का नया टेंडर जारी कर दिया है। 15 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर लेने वाले एजेंसी की ओर से पांच तक शहर से डोर टू डोर कूडे का उठान व निस्तारण किया जाएगा।

बता दें कि नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डो में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन किया जाता हैं। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड़ स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता हैं। 30 अप्रैल को 2023 को डोर टू डोर कूडा कलेक्शन का टेंडर समाप्त हो गया हैं। करीब छह माह तक अधिकारी दोबारा से कूडा कलेक्शन को टेंडर ही नहीं लगाए गए। टेंडर लगाने के बाद लंबे समय तक डीएमसी की सीट रिक्त होने के कारण फाइल अटकी रहीं। इसके बाद तत्कालीन एडीसी वैशाली सिंह को डीएमसी का चार्ज मिलने के बाद तकनीकी समस्या के चलते टेंडर का रिजेक्ट कर दिया गया था। इसके बाद दोबारा से अधिकारी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का टेंडर नहीं लगा पाएं। ऐसे में करीब एक वर्ष शहर में नियमित रूप से डोर टू डोर कचरे का उठान नहीं हो पाया।

डंपिंग यार्ड के लगा कूड़े का अंबार

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

अस्थाई एजेंसी कर रहीं कूड़े का उठान

करीब एक वर्ष पहले नपा की ओर से शहर से कूड़े के उठान के अस्थाई व्यवस्था की गई थी। इस एजेंसी को प्रतिमाह 5 से 6 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। हालांकि हायर की गई एजेंसी द्वारा केवल शहर से कूड़ा उठाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन कूड़े के निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे शहर के डंपिंग यार्ड में कूड़े का अंबार लग गया। इससे ना केवल वातावरण प्रदूषित हुआ, बल्कि स्थानीय लोगों को दुर्गंध व स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है।

देवास रोड पर स्थित है डंपिंग यार्ड

नगर पालिका की ओर से शहर में सभी वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का टेंडर एक निजी कंपनी को दिया हुआ था। वाहनों के माध्यम से शहर से निकलने वाले कचरे को शहर के देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता है। निजी कंपनी के टेंडर की समयावधि 31 अप्रैल को समाप्त हो चुकी है। टेंडर की समयावधि समाप्त होने के कारण शहर के विभिन्न मोहल्लों से नियमित कूड़े उठान नहीं हो पा रहा हैं। महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूडा कचरा एकत्रित करना होता है। इनमें से नगर पालिका के पास तीन ट्रेक्टर व पांच टैंपों है। शहर प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता हैं।

रोजाना 12 टन कचरा निकल रहा

महेंद्रगढ़ शहर में 15 वार्ड है। 11 वाहनों के माध्यम से पूरे शहर से डोर टू डोर कूडा कचरा एकत्रित करना होता है। वर्तमान में नगर पालिका के पांच टैंपो तथा 3 टैक्ट्रर से पूरे शहर का कचरा कलेक्शन किया जाता हैं। वाहनों की संख्या कम होने के कारण पूरे शहर से नगर पालिका के वाहनों से कूडा कलेक्शन करना किसी चुनौती से कम नहीं हैं। शहर से प्रतिदिन करीब 12 टन गीला व सूखा कचरा निकलता हैं। शहर से निकलने वाले कचरे को देवास रोड स्थित डपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता हैं। शहर से निकलने वाले कचरे निवारण नहीं होने के कारण डंपिग यार्ड में कई बार ओवरफ्लो भी हो चुका हैं।

जल्द शुरू होगा शहर से नियमित रूप से कूड़े का उठान

नगर पालिका के चेयरमैन रमेश सैनी का कहना है कि नपा की ओर से डोर टू डोर कचरे के उठान का टेंडर जारी कर दिया है। इस नई व्यवस्था से न केवल शहर की सफाई में सुधार होगा, बल्कि डंपिंग यार्ड में जमा कूड़े की समस्या का भी स्थायी समाधान किया जा सकेगा।

नारनौल। शहर में प्रदर्शन करते गोरक्षक। फोटो : हरिभूमि

नंदीशाला प्रधान के विरोध में सीटीएम को सौंपा ज्ञापन

- सुभाष पार्क से लेकर लघु सचिवालय तक किया प्रदर्शन
- मृत गोवंश को खुले में डालने का आरोप लगाया
- प्रदर्शनकारी बोले, आवारा कुत्ते नोचते है मृत गोवंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव रघुनाथपुरा स्थित नगर परिषद की नंदीशाला के प्रधान की कार्यप्रणाली के विरोध में वीरवार को गोसेवकों ने गोरक्षक दल के जिला कृष्ण बड़ेसरा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन से पूर्व गोसेवक नेताजी सुभाष पार्क में एकत्रित हुए। जहां से प्रदर्शन करते हुए महावीर चौक होते हुए लघु सचिवालय पहुंचे। जहां पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के नाम का ज्ञापन सीटीएम को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान गोसेवकों ने नंदीशाला के प्रधान की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाए कि नंदीशाला में मृत गोवंश को खुले में डाला जाता है, जिसे आवारा कुत्ते नोचते हैं। मृत गोवंश पर नमक व मिट्टी नहीं डाली जाती है। इससे क्षेत्र में बदबू फैलती है।

गोमाताओं के साथ अमानवीय व्यवहार

बता दें कि गोरक्षक दल के जिला प्रधान कृष्ण बड़ेसरा की अध्यक्षता में जिले के गोरक्षक गांव रघुनाथपुरा स्थित नगर परिषद की नंदीशाला के प्रधान की कार्यप्रणाली के विरोध में सुभाष पार्क में एकत्रित हुए, जहां पर उन्होंने बैठक की। इसके बाद प्रदर्शनकारी पैदल मार्च करते हुए हाथों में बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए महावीर चौक, होते हुए लघु सचिवालय पहुंचे। जहां उपायुक्त के नाम एक ज्ञापन सीटीएम मंगल सेन को सौंपा गया। जिसमें आरोप लगाया कि नंदीशाला रघुनाथपुरा के प्रधान रामकुमार की ओर से मृत गोवंश का उचित दाह संस्कार या दफन नहीं किया जा रहा है। मृत गोवंश को गड्ढों में डालकर खुले में छोड़ दिया जाता है। जिन पर न तो मिट्टी डाली जाती है और न ही चूना या नमक आदि डाला जाता है। जिससे आवारा कुत्ते उन्हें नोंचते हैं। ज्ञापन में कहा कि इस गंभीर स्थिति की जानकारी पूर्व में भी नंदीशाला के प्रधान को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद गोमाताओं के साथ अमानवीय व अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

जिले में बनेगा क्रिटिकल केयर

- महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज में मिलेंगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में हरियाणा सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। अब प्रत्येक जिला में एक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण होगा। इसी संबंध में वीरवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इस मिशन के तहत प्रदेश के सभी जिलों में क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनाए जाएंगे। महेंद्रगढ़ के लिए यह ब्लॉक महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास में स्थापित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इस मिशन के तहत एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं उपलब्ध होंगी। इनमें संक्रामक रोग निदान, हेमेटोलॉजी, क्लिनिकल बायो कैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, वायरोलॉजी तथा पैथोलॉजी लैब जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं। यह सभी सुविधाएं एक ही जगह पर एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेंगी, ताकि मरीजों को इधर उधर न भटकना पड़े। परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए हर जिले में एक जिला टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

नारनौल। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मौजूद डीसी डॉ. विवेक भारती।

बकाया एरियर नहीं मिलने के विरोध में फूंका ईओ का पुतला

नारनौल। नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई ने अपनी मांगों के बारे में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल का पुतला महावीर चौक जाकर फूंका। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब हमारा समान काम समान वेतन का एरियर 3 नवंबर 2017 से एक जून 2023 तक जो एरियर बनता है, उसका भुगतान किया जाए। उन्होंने बताया कि हरियाणा प्रदेश में लगभग सभी नगर पालिका परिषद एरियर दिया गया है, उसके बाद भी नगर परिषद नारनौल प्रशासन कर्मचारियों एरियर देने मना कर रहा है। इसलिए कर्मचारियों ने रोष स्वरूप अपने आंदोलन काम छोड़ हड़ताल को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

शिविर में डीसी ने सुनीं जनसमस्याएं

- जनस्वास्थ्य विभाग को रिवासा गांव की पेयजल सप्लाई दुरुस्त करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्थानीय लघु सचिवालय स्थित एसडीएम कार्यालय के सभागार में वीरवार को समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश भी दिए।

समाधान शिविर में रिवासा गांव से पीने के पानी की समस्या लेकर आए ग्रामीणों को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने आश्वस्त किया कि जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा और संबंधित विभाग के अधिकारी को गांव में जाकर पेयजल सप्लाई दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका शीघ्र निवारण करना है। हर शिकायत को पूरी गंभीरता से सुना जाता है और समाधान के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी तय कर निर्देश दिए जाते हैं। यह पहल नागरिकों के शासन व प्रशासन में विश्वास को मजबूत करती है। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्राप्त शिकायतों की निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्वक निपटान सुनिश्चित करें और शिकायतकर्ता को समाधान की पूरी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का एक मजबूत माध्यम है।

महेंद्रगढ़। आमजन की समस्याएं सुनते उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

हर घर तिरंगा अभियान को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लें

- तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भाजपा ने की बैठक

नारनौल। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक जिला मुख्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा व सहसंयोजक मनीष यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष यतेंद्र राव ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरे मनोयोग से अभियान में जुट जाएं और इसे एक जनआंदोलन का रूप दें।

बैठक में यात्रा की तारीख, मार्ग, व्यवस्थापन, जनसंपर्क अभियान व कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर गहन चर्चा की गई। शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा का आयोजन विधानसभा व मंडल स्तर पर किया जाएगा। साथ ही शहीद स्थलों की सफाई, माल्यार्पण व श्रद्धांजलि कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

नारनौल। बैठक में मौजूद भाजपा संगठन पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बैठक — **हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन की जिला महेन्द्रगढ़ की इकाई का गठन**

कनिष्ठ अभियंता ऋषिराज सर्वसम्मति से चुने गए एसोसिएशन के जिला प्रधान

पंचायती राज विभाग में कनिष्ठ अभियंताओं के ऑनलाइन पोर्टल को हर वर्ष फरवरी में खोलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन की जिला की इकाई के गठन के लिए वीरवार को पंचायत भवन में राज्य प्रधान हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन इंजीनियर महेन्द्र सिंह यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राज्य प्रधान इंजीनियर महेन्द्र सिंह ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा के समस्त जिलों में छह अगस्त से 22 अगस्त तक हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन की जिला इकाई का गठन किया जाना है। इसके बाद 30 अगस्त को हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन की राज्य स्तरीय इकाई का गठन प्रस्तावित है। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता ऋषिराज को सर्वसम्मति से जिला प्रधान, उपमण्डल अधिकारी पंचायती राज कनीना पुरुषोत्तम को उपप्रधान, कनिष्ठ अभियंता ललीत कुमार को जिला सचिव, कनिष्ठ अभियंता अश्विनी कुमार को खजांची, उपमण्डल अधिकारी कुमारी खुशबू को सचिव, कार्यकारी अभियंता रमेश कुमार को एडवाईजर व मनीष कुमार को प्रेस सचिव तथा हरीश कुमार को आईटी सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा प्रवीण कुमार को महेन्द्रगढ़, संदीप कुमार को नारनौल, नीरज कुमार को सिहमा, राजकुमार को सतनाली, अनिल यादव को निजामपुर, रमेश कुमार को नांगल चौधरी, मंजीत शेखावत को कनीना व जयकुमार को अटेली को खण्ड सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नारनौल। एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सरकार से किया अनुरोध

राज्य प्रधान महेन्द्र सिंह यादव ने एसोसिएशन की ओर से सरकार से अनुरोध किया गया है कि अन्य तकनीकी विभागों की तर्ज पर पंचायती राज विभाग में कनिष्ठ अभियंताओं के ऑनलाइन पोर्टल को प्रत्येक वर्ष फरवरी माह में खोला जाए तथा सम्पूर्ण प्रकिया उसी वित्त वर्ष में 31 मार्च तक पूर्ण कर ली जाए, ताकि सभी कनिष्ठ अभियंता अपने बच्चों के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में दाखिले आदि सुविधा अनुसार करवा सकें।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर कार्यकारी अभियंता पंचायती राज इंजीनियर रमेश कुमार, जिला प्रधान ऋषिराज, उपमण्डल अधिकारी नरेद्र शर्मा, राजकंवर, कुलदीप, पुरुषोत्तम, कुमारी खुशबू व विभाग के कनिष्ठ अभियंता पंकज शर्मा, रमेश कुमार, मानवेन्द्र नाहरिया, हरीश कुमार, नीरज, ललीत कुमार, देवव्रत, अनिल यादव के अलावा समस्त कनिष्ठ अभियंता भी उपस्थित थे।